दिनांक - 03-04-2020

कॉलेज का नाम :- मारवाड़ी कॉलेज दरभंगा

वर्ग :- 12वीं इतिहास (History)

सिन्धु सभ्यता का देन

इस सभ्यता ने भारतीय धर्म, कला कौशल रहन-सहन एवं लिपि पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। विज्ञान के विकास में भी इस सभ्यता का महत्वपूर्ण योगदान था। इस सभ्यता में प्रचलित अनेक धारणाओं एवं विश्वासों की निरन्तरता ऐतिहासिक काल में भी विद्यमान रही। दशमलव पद्धति पर आधारित माप तौल प्रणाली, नगर नियोजन तथा नालियों की व्यवस्था, बहु देववाद का प्रचलन, मातृदेवी की पूजा, शिव पूजा, वृक्ष पूजा, लिंग एवं योनि पूजा, योग का प्रचलन, जल का धार्मिक महत्व, स्वास्तिक, चक्र आदि प्रतीक, पशुओं का धार्मिक महत्व, ताबीज, तंत्र-मंत्र का प्रयोग अभूषणों

Scanned with CamScanner

का प्रयोग, बहुफसली कृषि व्यवस्था अग्निपूजा का यज्ञ, मुहरों का उपयोग, खानपान वेशभूषा तथा रहन-सहन इक्कागाड़ी एवं बैलगाड़ी आन्तरिक एवं बाह्य व्यापार इत्यादि सिंधु घाटी सभ्यता की प्रमुख देन है। उत्तम नगरीय प्रबंधन तथा स्वच्छता पर विशेष ध्यान आज की स्मार्ट सिटी अवधारणा को प्रेरित करता है।

वैदिक संस्कृति

सिंधु घाटी सभ्यता के पतन के पश्चात् भारत में एक नवीन संस्कृति का उद्भव हुआ, जो अपनी पूर्ववर्ती सभ्यता से काफी भिन्न थी। इस संस्कृति के संस्थापक आर्य थे। आर्य शब्द का अर्थ - श्रेष्ठ, उत्तम, अभिजात्य, कुलीन एवं उत्कृष्ट होता है। इस संस्कृति की सम्पूर्ण जानकारी वैदिक साहित्य से प्राप्त होती है इसी कारण इसे वैदिक संस्कृति कहा जाता है। वैदिक सभ्यता के अभिलाक्षणिक गुणों में धार्मिक जीवन का विकास अधिकतम